ये अव्यक्त इशारे

विजयी रत्न बनना है तो प्रीत बुद्धि बनो

30-08-2024

कभी कोई स्वभाव संस्कार को देखते यह संकल्प न आये कि पता नहीं यह परिवर्तन होगा या नहीं होगा। नाउम्मीद को सदा के लिए उम्मीद में बदल दो। निश्चय अटूट है तो विजय भी सदा है। निश्चय में जब क्यों, क्या आता है तो विजय अर्थात् प्राप्ति में भी कुछ न कुछ कमी पड़ जाती है तो सदा उम्मीदवार, सदा विजयी बनो और विजयी बनाओ।

Have a loving intellect in order to become a victorious jewel.

When you see anyone's nature or sanskars, do not have the thought: I don't know whether this one will change or not. Transform the disheartenment into hope for all time. When your faith is unbroken, your victory is constant. When you have "why?" or "what?" in your faith, then there will be something lacking in your victory, that is, in your attainment. So, always have hope, always be victorious and make others victorious.